सागर संपर्क

भारत के **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय** ने '**सागर संपर्क**' नामक एक प्रणाली का उद्घाटन किया है, यह **समुद्री उद्योग** में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

सागर संपर्क:

- **परिचय:**
    - यह एक स्वदेशी **डिफरेंशियल ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम** (DGNSS) है।
        - DGNSS एक स्थल आधारित संवर्द्धन प्रणाली है जो ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (GNSS) में त्रुटियों को ठीक करती है जिससे अधिक सटीक स्थिति की जानकारी मिलती है।
    - यह सेवा नाविकों को सुरक्षित नेविगेशन में मदद करेगी और बंदरगाह तथा बंदरगाह क्षेत्रों में टकराव, ग्राउंडिंग और दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करेगी। **इससे जहाज़ों की सुरक्षित और कुशल आवाजाही सुनिश्चित हो सकेगी।**
- **विशेषताएँ:**
    - **सटीकता में सुधार:** यह वायुमंडलीय अनुमान, उपग्रह घड़ी और अन्य कारकों के कारण होने वाली त्रुटियों को कम करते हुए GPS स्थिति की सटीकता में काफी सुधार करता है।
    - **अतिरिक्त एवं उपलब्धता:** DGNSS [GPS](GPS) एवं **ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (GLONASS)** जैसे कई उपग्रह समूहों को शामिल करता है, जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार बढ़ी हुई उपलब्धता एवं अतिरिक्त सुनिश्चित करता है।
    - **सटीक स्थिति निर्धारण:** नाविक अब नवीनतम **DGNSS** प्रणाली का **उपयोग करके 5 मीटर के भीतर अपनी स्थिति में सुधार** कर सकते हैं, जिससे बेहतर नेविगेशन सक्षमता के साथ त्रुटि की संभावना कम होती है।
    - **अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करना:** DGNSS **अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO)**, **समुद्र में जीवन की सुरक्षा (SOLAS)** एवं **नेविगेशन और लाइटहाउस अथॉरिटीज़** (**IALA**) के लिये समुद्री सहायता के अंतर्राष्ट्रीय संघ के अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करता है।

नोट:

- **समुद्र में जीवन की सुरक्षा: समुद्र में जीवन की सुरक्षा के लिये अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (SOLAS),** व्यापारिक जहाज़ों की सुरक्षा से संबंधित एक महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संधि है।
- यह सुनिश्चित करता है कि जहाज़ निर्माण, उपकरण एवं जहाज़ों के संचालन में न्यूनतम सुरक्षा मानकों का अनुपालन करते हैं।
- **नेविगेशन एवं लाइटहाउस अथॉरिटीज़ के लिये समुद्री सहायता का अंतर्राष्ट्रीय संघ:** IALA एक गैर-लाभकारी अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी संघ है।
    - **वर्ष 1957** में स्थापित **IALA** अपने सदस्यों को विश्व में नेविगेशन के लिये **समुद्री सहायता को सुसंगत बनाने** के साथ **पर्यावरण की रक्षा करते हुए जहाज़ों की सुरक्षित, शीघ्र और लागत प्रभावी आवाजाही** सुनिश्चित करने के लिये **सामान्य प्रयास द्वारा एक साथ काम करने के लिये प्रोत्साहित** करता है।

समुद्री सुरक्षा से संबंधित अन्य सरकारी पहल:

- **NavIC:** **NavIC** या **भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (IRNSS)** को **7 उपग्रहों के एक समूह और 24×7** संचालित होने वाले ग्राउंड स्टेशनों के एक नेटवर्क के साथ डिज़ाइन किया गया है।
    - **NavIC कवरेज क्षेत्र** में **भारत एवं भारतीय सीमा से 1500 किलोमीटर दूर तक** का क्षेत्र शामिल है।
    - **IMO** ने NavIC को **वर्ल्ड-वाइड रेडियो नेविगेशन सिस्टम (WWRNS)** के एक घटक के रूप में मान्यता दी है।
- **SAGAR विज़न:** वर्ष 2015 में भारत ने आर्थिक तथा सुरक्षा मोर्चों पर अपने समुद्री पड़ोसियों के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के लिये हिंद महासागर की अपनी रणनीतिक दृष्टि अर्थात् **क्षेत्र में सभी के लिये सुरक्षा और विकास (SAGAR)** का अनावरण किया।
- **हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी:** **IONS** एक स्वैच्छिक और समावेशी पहल है जो समुद्री सहयोग के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ाने के लिये **हिंद महासागर क्षेत्र (IOR)** के तटीय राज्यों की नौसेनाओं को एक साथ लाती है।

- **मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030**: इसका लक्ष्य बंदरगाहों, शिपिंग और जलमार्गों में बुनियादी ढाँचे, दक्षता, सेवाओं और क्षमता को बढ़ाकर अगले दशक में समुद्री क्षेत्र के विकास में तेज़ी लाना है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sagar-sampark